भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) का न्यूज लेटर

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

विक्रम सम्वत् – 2079 ● मासिक पत्र : जनवरी 2023 ● पृष्ठ : 4 ● दिल्ली

भिवानी परिवार मैत्री संघ द्वारा चिंतन बैठक का आयोजन

नई दिल्ली। भिवानी परिवार मैत्री संघ की चिंतन बैठक का आयोजन श्री खाटू श्याम दिल्ली धाम, जी टी करनाल रोड, दिल्ली में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन द्वारा किया गया। मंच का संचालन बीपीएमएस के महासचिव दिनेश गुप्ता द्वारा किया गया। चिंतन बैठक में संस्था द्वारा वर्ष भर में किये गए सेवा कार्यों व अन्य गतिविधियों पर चर्चा की गई तथा आगामी वर्ष के लिए होने वाले कार्यक्रमों की रूप रेखा को भी अंतिम रूप दिया गया। इस मौके पर उपस्थित अतिथियों व पैट्रन ट्रस्टियों द्वारा गत वर्ष संपन्न हुए कार्यक्रमों तथा आगामी वर्ष में होने वाले कार्यक्रमों के बारे में भी अपने अमूल्य सुझाव संस्था के पदाधिकारियों को दिये गए।

कार्यक्रम में संस्था द्वारा दो संस्थाओं (नेत्रहीन प्रज्ञा दृष्टि संस्थान, दिल्ली एवं युवा जागृति जनकल्याण मिशन ट्रस्ट भिवानी) को भी सम्मानित किया गया। दोनों संस्थाओं की वीडियो प्रेजेंटेशन भी बैठक में दिखाई गई और भिवानी परिवार द्वारा दोनों संस्थाओ को मदद करने का आश्वासन भी दिया गया। जिसमें भिवानी की संस्था युवा जागृति जनकल्याण मिशन ट्रस्ट को एक कंप्युटर सेंटर के लिए 10 कंप्यूटर देने और दिल्ली कि संस्था नेत्रहीन प्रज्ञा दृष्टि संस्थान को उनकी संस्था को सुचारु रूप से शिक्षा गतिविधि चलाने के लिए प्रति वर्ष 1 लाख रु देने का निर्णय किया गया।

कार्यकम में श्री खाटू श्याम दिल्ली धाम के अध्यक्ष घनश्याम गुप्ता जावेरी एवं उनकी साथियों का सम्मान भी किया गया।

भिवानी परिवार मैत्री संघ (पंजी.) की मुख्य मासिक पत्रिका

BPMS NEWS

सत्यम् शिवम् सुन्दरम्

सम्पादक

जगत नारायण भारद्वाज

सह-सम्पादक

सुनीता शर्मा व मनीष गोयल

प्रबंध-सम्पादक

सुश्री मंजीत मरवाहा

कार्यालय

भिवानी परिवार मैत्री संघ, पंजीकृत (BPMS)

प्लॉट-1, पॉकेट 8ए, बैंक ऑफ बड़ौदा के ऊपर, सैक्टर-15, रोहिणी, दिल्ली-89

दूरभाष : 9999305530, E-mail: admin@ebhiwani.com

http://www.ebhiwani.com

जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं

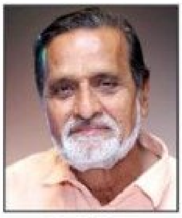

भिवानी गौरव
श्री नन्द किशोर अग्रवाल
1 जनवरी

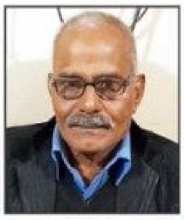

भिवानी गौरव
श्री भीम सेन
1 जनवरी

श्री अनिल कुमार अग्रवाल
(संरक्षक सदस्य)
1 जनवरी

श्री राकेश अग्रवाल
(संरक्षक सदस्य)
3 जनवरी

श्री नाथू राम जैन
(चेयरमैन : अंगदान नेत्रदान समिति)
5 जनवरी

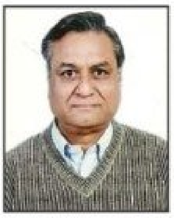

श्री सुधाकर गुप्ता
(संरक्षक सदस्य)
7 जनवरी

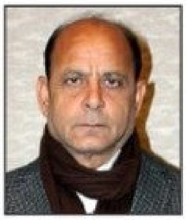

श्री सुशील गनोत्रा
(संगठन मंत्री बीपीएमएस)
9 जनवरी

श्री विजय गोयल (खरकिया)
(संरक्षक सदस्य)
12 जनवरी

श्री सांवरमल गोयल
(चेयरमैन : अपना घर आश्रम समिति)
15 जनवरी

श्री निर्मल सिंघल
(संरक्षक सदस्य)
18 जनवरी

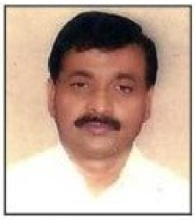

श्री त्रिलोक शर्मा
(संरक्षक सदस्य)
20 जनवरी

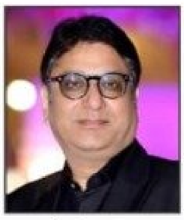

श्री संजय गुप्ता
(संरक्षक सदस्य)
21 जनवरी

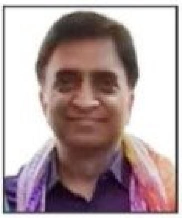

श्री संजय गुप्ता
(चेयरमैन : वस्त्र वस्तु समिति)
25 जनवरी

भिवानी गौरव
श्री रणवीर सिंह
26 जनवरी

भिवानी गौरव
श्री शेर सिंह आर्य
26 जनवरी

श्री जगदीश राय गोयल
(संरक्षक सदस्य)
27 जनवरी

श्री भोज राज गोयल
कार्यकारिणी सदस्य : बीपीएमएस
27 जनवरी

भिवानी गौरव
डॉ. मोहन लाल बलेशरा
31 जनवरी

श्रीमती मीना गुप्ता
(संरक्षक सदस्य)
31 जनवरी

सम्पादकीय

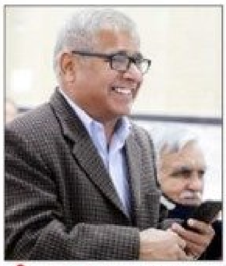

श्री जगत नारायण भारद्वाज
9416376123

गतांक से आगे...

महाशय मंसाराम जी के साथ बाबू बनारसीदास गुप्ता (पूर्व मुख्यमंत्री) प्रत्येक शनिवार को आ जाते थे और दो दिन प्रचार में साथ रहकर वापिस चले जाते थे। स्वतंत्रता के पश्चात भी देशी रियासतों का दमनचक्र ज्यों का त्यों चल रहा था। तब दादरी की कचहरी को इन लोगों ने भारी जनसमूह को इकट्ठा करके घेर लिया। यहां जींद के महाराज के विरुद्ध नारे लगाए गए। उस समय समानांतर सरकार का गठन करते हुए मनसा राम के गांव के महताब सिंह को राजा घोषित कर दिया। उसी समय महाशय जी को बाढ़डा का थानाध्यक्ष चुन लिया गया। यह सरकार सत्रह दिन चली। फिर जींद के महाराज के साथ समझौता हुआ और उनके मंत्रिमंडल में चार सदस्य किसान समुदाय से लिए गए। इनके द्वारा बनाया गया गुरुकुल धीरे धीरे चलता रहा, बाद में 1956 में वह बंद हो गया। महाशय जी पास के गांव धारणी की बणी में जाकर संन्यासी जैसा जीवन व्यतीत करने लगे और उन्होंने कुछ देशी दवाइयां भी बनानी सीख ली। वे इस बात से बहुत दुखी रहते थे कि जमीन दान भी दी और गुरुकुल भी नहीं चल रहा। फिर वे चौधरी सुमेर सिंह के पास गए और कहा कि तुम गुरुकुल को फिर से शुरू करो ताकि मैं सुख से जी सकूं। सन् 1978 में बाढ़डा में मौजिज लोगों की एक बैठक बुलाई और किसी ने सुझाव दिया कि देवराला के सेठ बनवारी लाल जो आर्यसमाजी परिवार है, वे इसमें सहयोग कर सकते हैं। फिर क्या था। सबके सहयोग से गुरुकुल सुचारू रूप से चल पड़ा। मनसा राम जी कहने लगे कि अब मैं सुखपूर्वक जी सकूंगा। पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह इनके साथ स्वतंत्रता आंदोलन में जेल में बंद थे। जब वे राष्ट्रपति बने तो महाशय जी उनसे मिलने गए। ज्ञानी जी ने उनका भरपूर स्वागत किया और स्वतंत्रता सेनानी का प्रमाण पत्र दिया। तब इन्हें स्वतंत्रता सेनानी की पेंशन भी मिलने लगी।

आप अपने अन्तिम समय में गांव वापिस आ गए। इनके चचेरे भाई के लड़के चौधरी सत्यपाल ने इनकी खूब सेवा की और 27 अगस्त 1981 को महाशय मनसाराम जी का स्वर्गवास हो गया। क्षेत्र के हजारों लोगों की उपस्थिति में वैदिक रीति से इनका दाह संस्कार गुरुकुल में कर दिया गया।

इनके द्वारा बनाए गए कन्या गुरुकुल में आज हजारों कन्याएं निकल चुकी हैं। भिवानी जिले का एकमात्र यह कन्या गुरुकुल युगों तक लोगों में संस्कार संचरित करता रहेगा, ऐसी क्षेत्र की अपेक्षा है।

नए सदस्यों का भिवानी परिवार मैत्री संघ में स्वागत है

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री अनुज गोयल
(Shubham International)
गाँव - भिवानी, मोबाईल - 9212000510
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री विनय सिंघल (9999190575)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री राजेश कुमार
(Cleansing Products)
गाँव - नकीपुर, मोबाईल - 9213467528
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री विनय सिंघल (9999190575)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री विनय कुमार सिंघल
गाँव - बहल, मोबाईल - 9977232858
(Co-founder and CEO at STAGE)
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री विनय सिंघल (9999190575)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्रीमती सीमा गोयल
(HariBol Traders)
गाँव - भिवानी, मोबाईल - 9215527914
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री सुनील बंसल (9560073511)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

सुश्री स्मिता कौशिक
(भाजपा प्रत्याशी)
गाँव - साँवड, मोबाईल - 9818194007
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री राजेश चेतन (9811048542)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्रीमती अमिता जैन
भिवानी, मोबाईल - 9313563580
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री राजेश चेतन (9811048542)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री प्रणव भारद्वाज
गाँव - भिवानी, मोबाईल - 9818613044
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्रीमती मीनाक्षी गर्ग (9911196125)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री अनिल मित्तल
(AAP प्रत्याशी, वार्ड-51, रोहिणी)
गाँव - तोशाम, मोबाईल - 9210706104
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री संजय बंसल (9818386000)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

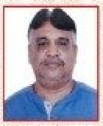

श्री निर्मल कुमार गोयल
(MFG. of Ready Made Garments)
गाँव - झुपा कलां, मोबाईल - 9818034118
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री भोजराज गोयल (9212126463)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री कृष्ण गोयल
(MFG. of Ready Made Garments)
गाँव - झुपा कलां, मोबाईल - 9871009654
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री भोजराज गोयल (9212126463)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री आत्मा प्रकाश दादू
(Director, Efficient Technology Pvt ltd)
गाँव - भिवानी, मोबाईल - 9810183855
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री दिनेश गुप्ता (9810003215)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

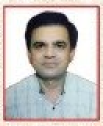

श्री ओम प्रकाश पँवार
(Medical Store)
गाँव - कलिंगा, मोबाईल - 7678594455
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री अनिल गुप्ता (9810268267)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री तुषार मेहता
गाँव - भिवानी, मोबाईल - 9868109086
(Advocate)
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री सुशील मनोत्रा (98994 54931)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री राकेश कुमार
गाँव - चाँदवास, मोबाईल - 9215520221
(Distribution of FMCG Products)
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री विनय सिंघल (9999190575)
का हार्दिक धन्यवाद।

भिवानी परिवार मैत्री संघ

श्री संजय गोयल
गाँव - भिवानी, मोबाईल - 9999272273
(C.P. Fitting)
का आजीवन सदस्य के रूप में
हार्दिक स्वागत करता है।
आपको परिवार से जोड़ने के लिए
श्री रामानंद आँचल (9350201861)
का हार्दिक धन्यवाद।

मेरी कलम से

फिल्म संगीत में शास्त्रीय संगीत का योगदान

सुश्री मंजीत मरवाहा

हिंदुस्तानी संगीत मुख्यत : दो प्रकार के होते हैं।

1. शास्त्रीय संगीत
2. भाव संगीत

शास्त्रीय संगीत को शास्त्र के नियमानुसार प्रस्तुत किया जाता हैं। भाव संगीत में भाव प्रधान होता हैं और व्यक्ति सहज ही भाव से गुनगुना उठता हैं। आरंभ में फिल्मों में संगीत शास्त्रीय संगीत के जानकर देते थे। संगीत निर्देशकों की रचनाएं ज्यादातर शास्त्रीय संगीत पर ही आधारित होती थी। बॉम्बे टॉकीज से लेकर सरस्वती देवी तक घरानेदार संगीत ही प्रयोग किया जाता था। प्रभात फिल्म में मराठी नाट्य संगीत की प्रस्तुति होती रही। बॉम्बे टॉकीज में ग़ज़ल, कव्वाली, ठुमरी इत्यादि भी होते थे। सन 1941 में गुलाम हैदर ने फिल्मी गीतों को नया मोड़ दिया जिससे धुनों में पंजाबी रंग उभरा। इनके बाद संगीतज्ञ खेमचंद्र प्रकाश ने राजस्थानी धुनों पर आधारित रचनाएं की। नौशाद ने उत्तर प्रदेश के लोकसंगीत को फिल्मी संगीत का आधार बनाया। इस समय में फिल्मों के संगीत ने अपनी एक अलग पहचान विकसित की। यह शास्त्रीय संगीत का अंग है लेकिन शास्त्रीयता की बंदिशों को तोड़ कर उसे सुगम संगीत बनाने का काम कर दिखाया है, लेकिन शास्त्रीय संगीत के साथ फिल्म संगीत का अटूट रिश्ता तो रहेगा ही। बैजू बावरा में राग देसी में निबद्ध गाना 'आज गावत मन मेरो झूम के' जैसे गीतों का स्वरबद्ध गाया। शास्त्रीय संगीत के उपयोग के अनगिनत उदाहरण मौजूद हैं। जैसे फिल्म पाकीजा, तानसेन, सरयू, गूंज उठी शहनाई, बैजू बावरा, नवरंग, बसंत बहार, इत्यादि कई फिल्मों में शास्त्रीय संगीत का प्रयोग देखा जा सकता है। पहले तो नायक-नायिका स्वयं गाते थे। धीरे धीरे टेक्नोलॉजी विकसित होने पर पार्श्वगायन होने लगा। संगीतकार लोकसंगीत और शास्त्रीय संगीत को विविध रूप से फिल्मी गानों में प्रयोग करने लगे। अधिकतर फिल्मी गीत, शास्त्रीय संगीत से प्रभावित होते थे। विभिन्न रागों पर फिल्मी गानों की रचना होती रही है। भैरवी, शिवरंजनी, भैरव, भीमपलासी, मुल्तानी इत्यादि कई रागों का प्रयोग हुआ है। राग भैरवी में ही निबध फिल्मी गीतों की भरमार हैं, जैसे- 'छोड़ गए बालम' (बरसात), मन्ना डे का गाया 'फूल गेंदवा ना मारों' (दूज का चांद), लागा चुनरी में दाग...ही तो है, इत्यादि भैरवी की ही...

के एल सहगल द्वारा भैरवी में गाया गया गीत 'बाबुल मोरा नैहर छूटो ही जाए' ने अमिट छाप छोड़ी। लता और रफी का गाया हुआ 'जीत ही लेंगे बाजी हम (शोला और शबनम) और ए.आर. रहमान द्वारा फिल्म 'दिल से' में गाया 'जिया जले जान जले', बैजू बावरा का गीत 'तू गंगा की मौज' इत्यादि सभी गीत भैरवी पर आधारित हैं।

राग शिवरंजनी पर भी कई संगीतकारों ने गीत बनाए। शंकर जयकिशन का 'बहारों फूल बरसाओ' एक जमाने से हर शादी के मौके पर भी बजाया जाता है। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल का 'तेरे मेरे बीच में कैसा हैं ये बन्धन', हेमंत कुमार द्वारा संगीतबद्ध 'कही दीप जले कही दिल', आर. डी बर्मन का 'मोरे नैना सावन भादो' तो मेरा नाम जोकर फिल्म का 'जाने कहां गए वो दिन' ये सभी गीत शिवरंजनी पर आधारित हैं। बांसुरी वादक हरिप्रसाद चौरसिया जी ने संतूर वादक पंडित शिव कुमार शर्मा जी के साथ जोड़ी बनाकर 'शिव-हरी' के नाम से 1982 में फिल्म 'सिलसिला, 'डर', 'लम्हे', 'चांदनी' जैसी फिल्मों में संगीत दिया। इनके द्वारा रचित संगीत रचनाओं में शास्त्रीय संगीत की झलक दिखती हैं।

'सिलसिला' या 'रंग बरसे भीगे चुनर वाली', 'चांदनी-मेरे हाथों में नौ-नौ चूडियां है'

'लम्हे-मोरनी बागाँ में बोले आधी रात मा'

इन सभी गानों ने फिल्म जगत में धूम मचा दी। रंग बरसे भीगे चुनर वाली के गीतकार महान कवि हरिवंश राय बच्चन थे। अभिताभ बच्चन ने इसे अपनी आवाज़ दी।

'सन 1955 में उस्ताद अमीर खां ने वी शांताराम की फिल्म 'झनक-झनक पायल बाजे' में बसंत देसाई के संगीत निर्देशन में एक पायलिया की रुणक झुनक पर छम छम मनवा नाचे, गीत गाया। 1960 में मुगल- ए -आज़म में नौशाद ने उस्ताद बड़े गुलाम अली खां साहिब जिन्हे अपने जमाने का तानसेन भी कहा जाता रहा है, उनसे राग सोहनी में ठुमरी गवाई। उन्होंने पूरे सीन को देख कर भाव प्रधान ढंग से ठुमरी गाकर इस ठुमरी को अमर कर दिया। यही नहीं, आज के सभी संगीत निर्देशक इस फ्यूजन म्यूजिक के जमाने में शास्त्रीय संगीत से जुड़े हुए हैं। उनकी धुनों में भी रागों का प्रयोग होता हैं।

यही खूबसूरती हैं संगीत की। शास्त्रीय संगीत का फिल्मी संगीत के साथ अटूट रिश्ता है और रहेगा।

व्रत-त्योहार जनवरी 2023

संकष्टी चतुर्थी (सकटचौथ): मंगलवार, 10 जनवरी 2023
लोहड़ी : शुक्रवार, 13 जनवरी 2023
मकर संक्रांति : शनिवार, 14 जनवरी 2023
मौनी अमावस्या: शनिवार, 21 जनवरी 2023
वसंत पंचमी : गुरुवार, 26 जनवरी 2023

चेतन वाणी

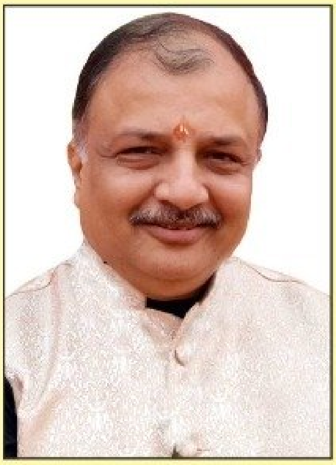

कवि राजेश चेतन

भारत का करके बँटवारा, अब ये भारत जोड़ेंगे
जिन्ना जीता नेहरू हारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

तीन सौ सत्तर धारा लाकर आग लगाई घाटी में
मोमिन ने पंडित को मारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

'हिंदी-चीनी भाई-भाई' नारे खूब लगाए थे
गँवा दिया फिर तिब्बत सारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

बाबर, अकबर, औरंगजेबों को करके महिमा मंडित
शिवा-प्रताप से किया किनारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

'भारत तेरे टुकड़े होंगे' जे.एन.यू. में नारे थे
गद्दारों को दिया सहारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

काश्मीर में पाकिस्तानी झंडा लेकर आए थे
पी.ओ.के. में चाँद-सितारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

सरदारों का खून बहाया कांग्रेस के गुंडों ने
घायल है मेरा गुरुद्वारा, अब ये भारत जोड़ेंगे

मंदिर टूटे, बनी मस्जिदें लेकिन तुम खामोश रहे
कहाँ था तब ये भाईचारा, अब ये भारत जोड़ेंगे।

बीपीएमएस की सेवा समितियां

समिति	प्रभारी	चेयरमैन
मैट्रीमोनियल समिति	श्री राजेश चेतन	श्री सुनील बंसल
कैंसर केयर समिति	श्री दिनेश गुप्ता	श्रीमती मीनाक्षी गर्ग
वस्तु-वस्त्र समिति	श्री संजय जैन	श्री संजय गुप्ता
बिजनेस पाठशाला	श्री प्रमोद शर्मा	श्री सचिन मेहता
पर्यावरण समिति	श्री सुशील गनोत्रा	श्रीमती पूजा बंसल
अपना घर आश्रम समिति	श्री हंसराज रलहन	श्री सांवरमल गोयल
अंगदान-नेत्रदान समिति	श्री सुनील अग्रवाल	श्री एन आर जैन
शिक्षा समिति	श्री पवन मोडा	श्री संजय जैन
टुरिज़्म समिति	श्री मनीष गोयल	श्री उमेश मित्तल
स्वास्थ्य समिति	श्री विनय सिंघल	श्री वरुण मित्तल